INDEX

	Quot. no.
अकर्तव्यं	117 (श्लोक)
अकल्को निरारम्भो	245 (श्लोक.2)
अकस्मान्मूत्रं	187
अकामकृते	813
अकामतस्तु	837 (श्लो.1)
अकृत्वा प्रेतकार्याणि	682 (श्लो.)
अक्रोधं आर्जवं	768
अक्षय्य	289
अक्षय्यासनयोः	480(श्लो.)
अग्नयस्त	152 (श्लो.4)
अग्निहोत्रार्थं	748
अग्निहोत्रं	148 (श्लो.2)
अग्निहोत्रं	650 (श्लो.1)
अग्न्युत्सादी	861
अग्नौकरण	454(श्लो.)
अग्नौ प्रक्षिप्य-	381 (श्लो.2)
अघमर्षण	233 (श्लो. 11)
अघमर्षणं	268 (श्लो.2)
अंगादगंत	648 (श्लो.1)
अंगुष्ठमात्र	466 (श्लो.)
अंगुष्ठमुप	493
अंगुष्ठमूलस्यो	198
अंगुष्ठमूले	208 (श्लो.2)
अंगुष्ठस्यानामिकया	205(श्लो.2)
अजस्य	492(श्लो.1)

	Quot. no.
अजातदन्तासु	706
अजातदन्ते	707 (श्लो.1)
अणोरणीयान्	784(श्लो.5)
अत ऊर्ध्वं	38
अत ऊर्ध्वं	311
अत ऊर्ध्वं	785
अत ऊर्ध्वम्	792
अत ऊर्ध्वं खिलविभागः	662
अतिथिः	316
अतिमानादति	922(श्लो.)
अतीते दशरात्रे	733(श्लो.)
अतीते सूतके	732(श्लो.)
अतो बालतरस्यास्य	811 (श्लो)
अतः परं	208 (श्लो.1)
अत्याज्या माता	74
अथ ऋत्विजि	602
अथ कश्चित्प्रमादेन	728
अथ चेदन्तरा	735
अथ पांक्तेयाः	455
अथ प्रवृत्तिः	140(श्लो.3)
अथ ब्राह्मणायाग्रे	102
अथ मध्यम	261(श्लो.6)
अथ मान्याः	75
अथ यदि	729
अथ वा सप्ताश्वं	598

अथवा बाल	821
अथ शस्त्रानाश	725
अथांगुलीनां	275(श्लो.1)
अथापुत्रस्य	680
अदण्ड्यौ	577
अदेयं दत्वा	831
अद्भिः समुद्धृता	220(श्लो)
अद्यास्य	915(श्लो.1)
अनद्यायेष्व	464(श्लो)
अनन्तर्गर्भिणं	472(श्लो)
अनश्नन्न	247
अनात्मीयस्य	613(श्लो)
अनामामूल	273(श्लो.2)
अनामिका मूल	275(श्लो.4)
अनिर्दशाहं	875(श्लो.2)
अनिवृत्ते दशाहे	700 (श्लो)
अनिवेदित	633
अनुज्ञातो	135
अनुयातारोअपि	923(श्लो.3)
अनुलोमासु	643
अनूढामान्तु	721(श्लो.1)
अनृत	461
अनेन विधिना	238(श्लो.)
अनौरसषु	713(श्लो.)
अन्तरा	806(श्लो.1)
अन्तर्जानु	204(श्लो.)
अन्तर्दशाहो	699
अन्तेवासी	603
अन्नादे	620(श्लो)
अन्नं पर्युषितं	333(श्लो)
अन्नं व्याहृतिभिर्	315(श्लो)
अन्यत्पात्रं	499(श्लो.1)
अन्यत्र	504(श्लो.2)
अन्यत्र नियन्त्रितेना	926
अन्यपूर्वां गृहे	739 (श्लो)
अन्यपूर्वासु	738(श्लो)
अन्यवर्णस्त्रीषु	666
अन्यून भावे	639
अन्यो वा	36
अन्वष्टका	448 (श्लो)
अन्वारोहे	541
अपचाय च	953 (श्लो.5)
अपपात्रितस्य	687
अपविद्ध:	657
अपसव्यं	479
अपहृत्य	826(श्लो.2)
अपि जायेत	433(श्लो.1)
अपुत्रया:	413
अपुत्रया:	412(श्लो)
अपुत्रा ये	536(श्लो)
अपूपा:	332(श्लो)
अपूपाश्च	335(श्लो.1)
अप: सुराभाजनस्था:	898(श्लो)
अप्रपश्य	631
अप्रवाहोदक	234(श्लो.2)
अप्रियशीलां	170
अबुद्धिपूर्व	645
अब्राह्मणो	629

अभिशस्त	871
अभिषंग:	268(श्लो.3)
अभीष्टं	961(श्लो.3)
अभुक्तवा	801(श्लो)
अमार्गेण प्रवृत्तानां	6 (श्लो)
अमायास्या	286(श्लो)
अमावास्यासु	282(श्लो)
अमावास्यां	446 (श्लो)
अमावास्यां	948
अमाश्राद्धं	445(श्लो)
अमितिपूर्वं	858
अमेध्य पतित	884
अयुग्माक्षर	37(श्लो)
अर्ध्यमेकं	261(श्लो.4)
अलक्ष्मी:	231(श्लो.2)
अलाभे	224
अवक्षुताव	516(श्लो.2)
अवीक्ष्य वृत्तिं	149(श्लो)
अविभक्ता	414(श्लो)
अवेदोक्ताश्च	515(श्लो.5)
अशुचित्व	770(श्लो)
अशुचिदर्शने	959
अशूद्रात्तु	329(श्लो)
अष्टमी	94(श्लो.1)
अष्टम्या: प्रदोषे	81
अष्टशतं	827
असाक्षिप्रणिहिते	593
असाक्षिप्रणिहिते	594
असुरामद्यपायी	820
असंख्यातं	274
अस्तेयमग्नये	823(श्लो)
अस्थिमत्	850
अस्नातस्तु	227(श्लो.3)
आकरा: शुचय:	362(श्लो)
आकरजानाम्	396
आक्रोशावृत	822
आक्रोशे	617
आगच्छन्तु	477(श्लो.2)
आगमं निर्गमं	563(श्लो)
आचम्य च	255(श्लो)
आचम्यैवं	248(श्लो.1)
आचामपिण्याक	942
आचारवतां	246
आचार्ये चैव	712
आज्यं द्रव्य	155
आत्मयाजिनां	366
आत्मशय्यासनं	388(श्लो)
आत्मापुत्र	648(श्लो.3)
आदित्या	327(श्लो)
आदौ मध्ये	555(श्लो.1)
आद्यं श्राद्धम	747(श्लो)
आधत्त पितरौ	648(श्लो.2)
आधारदोषे	397
आपत्काले	751
आपद्दिकामं	754
आपद्यपि न	123(श्लो)

आपस्त्वपि 16(श्लो.1)
आपस्त्वपि हि 116(श्लो)
आपो अस्मात् 234(श्लो.1)
आपो रूपरस: 360
आपो हि 261(श्लो.2)
आफलोदयं 559
आब्दिके पादकृच्छ: 889(श्लो.2)
आब्रह्मस्तम्ब 299(श्लो)
आभीर 399(श्लो)
आमश्राद्धाशने 444
आमावास्या तु 283(श्लो)
आम्नायप्रमाण्याद् 2
आम्नाय: 4
आम्रान्पाले 507(श्लो)
आम्रांश्च 509(श्लो)
आयु: प्रजां 94(श्लो.2)
आर्द्रामलकमात्रास्तु 945(श्लो)
आवाहनार्घ्यं 481(श्लो)
आशौचे तु 33
आशौचे तु 746(श्लो)
आशौचं तु 718(श्लो)
आ षोडशाद् 49
आसन्नशयनेषु 77
आसनस्थो 500(श्लो.8)
आसनेषु 500(श्लो.7)
आसनेषु 500(श्लो.7)
आहारमैथुनं 144(श्लो)
आहूताध्यायी 83

इच्छया व्यभिचारिणी 838
इति वेदपवित्राण्य 269
इत्येवमुक्त्वा 233(श्लो.8)
इदमाप: प्रवहते 233(श्लो.10)
इन्धनोदकाग्नि 17
इषुं गृह्णाति 139
इष्टिभि: पशु 148(श्लो.1)
इष्टि श्राद्धे 451(श्लो.1)
उग्रगन्धीन्य 458(श्लो)
उच्छिष्ट भोजने 502(श्लो2)
उच्छिष्टलेप 349(श्लो)
उच्छिष्टलेपन 501(श्लो.2)
उच्छिष्टसन्निधौ 525(श्लो)
उच्छिष्टस्पर्शनं 499(श्लो.2)
उच्छिष्टो 498(श्लो)
ऊर्णासूत्रं 530(श्लो)
उष्णोदकेन 287(श्लो.2)
उष्णोदकेन 369(श्लो)
उत्तीर्ण प्रेत 695
उत्पन्नं च 345(श्लो)
उत्पवनं 505
उदकक्रिया 693
उदकप्लवन 476(श्लो.1)
उदकस्या: 239(श्लो)
उदकेनोदकं 293(श्लो.1)
उद्धृतपरिपूताभिर् 201
उनैकादशवर्षस्य 812(श्लो)
उपनयाद्‌ध्वं 64

उपनीय: गुरु: 63§श्लो§
उपलिप्ते 323§श्लो§
उपवीति 482§श्लो§
उपवीतं 483§श्लो§
उपशिक्षितानि 76
उपस्पृशेत्ततः 250§श्लो§
उपाध्याये 79
उपासीने 743
उपांशु 269§श्लो.11§
उभयत्र 221§श्लो.1§
उभाभ्यामपि 297
उभाभ्यामपि 298§श्लो§
ऊर्ध्वं दशाहात 730
ऊर्ध्वरेतस 87
ऊर्ध्वं वार्षिकाभ्यां 766
ऊनैकादश 812
ऋग्यजु: सामार्थव 14
ऋचो यजूंषि 152§श्लो.5§
ऋतु स्नातां 23
ऋतौ संगच्छत: 22§श्लो§
ऋत्विक् मन्त्र 152§श्लो.1§
ऋमीकपक्कं 876§श्लो§
एक एव 471§श्लो§
एक पिण्डा: 749
एकपंक्त्युपविष्टानां 909§श्लो§
एकपंक्त्युपविष्टानां 909§श्लो.1§
एकमप्या 313§श्लो§
एकरात्रं 710§श्लो.4§
एकरात्रं 774§श्लो§
एकवासाश्चरेद् 957§श्लो§
एक व्रत 403
एकाग्निकादौ 148§श्लो.3§
एकाहं 715
एकेन पाणिना 342§श्लो.1§
एकैकमञ्जलिं 304§श्लो§
एकं भुञ्जीत 67§श्लो.2§
एक: साक्षी 589
एतच्छौचं 196§श्लो§
एतदेव 929
एतदेव व्रत 936
एतानि ब्राह्मणो 15
एते द्वादश 52
एतैरेव 143§श्लो§
एतैरेव 378§श्लो.2§
एवमप्यजीवन् 756
एवं नीत्वा 765§श्लो.2§
एवं मातुलानी 828
एवं य: सर्वभूतानि 300§श्लो§
एवं वरान्याचयित्वा 532
एवं वर्णे 126
एष एव 256§श्लो.1§
एष एव शीतै: 935
एष देवस्तु 783§श्लो.6§
एष वै पुरुषो 783§श्लो.7§

एणामन्न	937	कुर्यादहरह:	441(श्लो)
एष्टव्या	433(श्लो.2)	कुर्युनान्तर	555(श्लो.3)
औषधं स्नेहमाहारं	872(श्लो)	कुलदेवतानक्षत्राभि	35
कन्यादूषी	860	कुलेअस्माकं	440(श्लो.1)
कन्यायाम	642	कुशाभावे	280(श्लो)
कमण्डलुमुप	200	कूपे तु	383(श्लो)
करुणां च	430(श्लो)	कूट शासन	615
कर्णयुग्मे	206(श्लो.4)	कृच्छ्रपादे	934(श्लो)
कर्मकाले	474(श्लो)	कृच्छ्रपादो	745(श्लो)
कर्षणमुपलेनम्	386	कृच्छ्राणि	794
कलिंग च	341(श्लो)	कृतकाष्टा	628
काकमार्जार	404(श्लो.2)	कृतघ्न:	793
काकिन्यादि	583	कृतेषु	544(श्लो)
कामचारिणीं	160	कृत्वा मूत्रं	213(श्लो)
कामतस्तु	837(श्लो.2)	कृत्वा स्तेयं	962(श्लो)
कामतो वास्मिन्नेव	82	कुम्भीपाकं	784
कामं सह	659	कृष्णशकुनि	363
कायं कनीष्ठिका	~~250~~ 295	कृष्णरुरुबस्ता	~~6~~ 57
कायं कनिष्ठिका	296	कृष्णाजाजी	516(श्लो.1)
कारु हस्त:	394	कृसरपायसापूप	406
काले शक्तित:	769	केवलानि च	886(श्लो)
काशहस्तस्तु	216(श्लो)	केशाकेशिग्रहणात्	637
काष्टानां	370(श्लो2)	केशानां रक्षणार्थं	809(श्लो.1)
काष्टालाबु	780	केशावधि	60
कुनखी	463(श्लो)	कौटसाक्ष्यं	816(श्लो)
कुमार प्रसवे	30	कौशेयं	491(श्लो)
कुमाराणां च	222	क्रयविक्रय	835
कुरुक्षेत्रे	431(श्लो)	क्रियास्नानं	233(श्लो.1)

क्षत्रियवैश्ययो 647
क्षत्रियवैश्या 175
क्षत्रियस्तु रणे 915§श्लो.2§
क्षत्रियस्थ तथा 910§श्लो.2§
क्षत्रियायाम् 181
क्षत्रियै 550§श्लो§
क्षिप्तेन मूर्ध्नि 248§श्लो.2 §
क्षिप्ताग्नाव 870§श्लो§
क्षुद्रजन्तुनाम् 852
क्षुद्रपशव: 607
क्षुद्रान्पशूंश्चा 826§श्लो.5§
क्षेत्रमर्यादा 609
क्षेत्रिकस्या 653
क्षेत्रेष्वेषु 440§श्लो4§
क्षौमदुकूल 56
गंगा च यमुना 206§श्लो2§
गंगाद्वारे 432§श्लो§
गंगायमुनयोस्तीरे 429§श्लो§
गण्डूषं 371§श्लो§
गजाश्वस्याप 826§श्लो3§
गणान्नं भूमि 891§श्लो.4§
गन्धमाल्य 529
गर्भमासमा 720
गर्भस्पन्दने 28
गर्भाष्टमे 47
गर्भाष्टमेषु 48§श्लो§
गायश्वं कुञ्जरोष्ट्रौ 877§श्लो§
गायत्रीजप्य 269§श्लो.9§
गायत्रीमन्त्र 503
गायत्री वेदजननी 269§श्लो.7§
गायत्रीं तु 261§श्लो.8 §
गायत्र्यादाय 943§श्लो.1§
गुणस्थ 640
गुप्तायां वैश्यायाम् 841
गुरुणां प्रतिकूलाश्च 465§श्लो§
गुरुतल्पगस् 827
गुरुवेदाग्नि 459§श्लो.2§
गृहस्थ धर्मवृत्तो 953§श्लो.4§
गृहस्थस्तु 759§श्लो§
गृहाश्रमस्थ 348 §श्लो§
गृहीत्वाग्निं 953§श्लो.2§
गृहेत्वेकगुणं 264§श्लो.1§
गृहणात्यदत्तं 614 §श्लो§
गोगजाश्वादि 426 §श्लो§
गोघ्न: पञ्च 807
गोत्र भाग 672§श्लो§
गोपुरीषश्च 358
गोपुरीषाद्य 950§श्लो§
गोब्राह्मण 119
गोभिर्हतं 923§श्लो.2§
गोभिश्चैनेन 133
गोमूत्रं गोमयं 930§श्लो§
गोष्टववकीर्ण: 864
ग्रन्थिर्यस्य 221§श्लो.2§

ग्रामात्साहृत्य	762(श्लो)	चान्द्रायणं	889 (श्लो.1)
ग्रामं विरोधं	797 (श्लो.2)	चिकित्सकस्य	891(श्लो.1)
ग्रासं चन्द्रकला	947(श्लो)	चूडाकर्म	45
घृतदधिपय	364	चेलानाम्	392
घृतयुक्तैस्तिलै	961(श्लो.2)	चौर्यपास्य	632
घृतेन	490(श्लो)	च्युतेष्वास्त्राव	374
घृतं तु	398(श्लो)	छागवृषभा	606
घ्रियमाणे	468(श्लो)	छिद्राण्येतानि	97(श्लो)
चक्रवाकं प्लवं	881(श्लो.4)	छिद्रेष्वेवा	95(श्लो)
चक्रांकितः	385	जननेप्येवं	704
चम्पका राज	517(श्लो.2)	जनने मरणे	705(श्लो)
चण्डालश्चव	227(श्लो.4)	जनने मरणे	723(श्लो)
चण्डालाना	177	जन्मशरीर	453
चण्डालीं	829(श्लो.2)	जपादिकुसुमं	488(श्लो)
चतस्त्रस्तिथय	283(श्लो2)	जप्तुकामः	227 (श्लो.6)
चतुर्थकालिका	765(श्लो.1)	जप्यैनैव	269(श्लो.10)
चतुर्थे दशरात्रं	703(श्लो)	जलो निमग्न	233(श्लो.2)
चतुर्थे मासि	39	जलोद्भवानि	487(श्लो)
चतुर्दश्यां	542(श्लो)	जिवति वा पितरि	660
चतुर्भिर्दर्भै	179	ज्येष्ठभार्याया	845
चतुर्विंशक	85	ज्येष्ठे तिष्ठ	151 (श्लो)
चतुर्विंशति	582	ज्येष्ठे मासि	954(श्लो.2)
चतुर्विंशति	782(श्लो.6)	ततः सम्मार्जने	291
चतुष्कोणं	328(श्लो)	तच्छ्राद्धमासुरं	467 (श्लो.2)
चन्दनकुंकुमं	276	ततोगुंलि	207(श्लो.1)
चमसाना	376	ततो जपेत्	257(श्लो)
चाण्डालेन	389	तत्काले तस्य	98(श्लो)
चाण्डाल्यवकीर्णी	178	तत्र काम्यं	229(श्लो.1)
चान्द्रायण	459(श्लो.1)	तत्र चेदनुप्राप्ते	601

त्रिरावर्त्य	254॥श्लो.1॥	दशसाहस्त्र	960 ॥श्लो.2॥
त्रिराहितं	958 ॥श्लो॥	दशाहे कृच्छ्रमेकं	946॥श्लो॥
त्रिषु वर्णेष्व	180	दातुः पतति	521॥श्लो॥
त्रीण्येव पात्राणि	478॥श्लो॥	दानं प्रतिग्रहो	750॥श्लो॥
तृणेषु काष्ट	826॥श्लो.6॥	दारानाकृत्था	150
तृतीये वर्षेत्र	43॥श्लो॥	दारानाहरेत्	136
तृतीये वर्षे	44	दारान्नधन	924॥श्लो॥
त्रैवार्षिका	146॥श्लो॥	दिवातु मैथुनं	843 ॥श्लो॥
त्रैवार्षिकं	545॥श्लो॥	दीपाग्निं दीपतैलं	890॥श्लो.1॥
त्र्यणापामपि	354	दीर्घं तीव्रामय	688॥श्लो॥
त्र्यहं त्रिषवणस्नायी	931॥श्लो॥	दुःस्वप्नारिष्ट	868
त्र्यहं योनि	717	दुर्वाप्रवाल	696
दक्षिणपार्श्वे	68	दुश्चिकित्सैर्	727॥श्लो.2॥
दक्षिणे	476॥श्लो.2॥	दूषितं केशकीटैश्च	903॥श्लो॥
दक्षिणे रेचकं	252॥श्लो.1॥	देवता भाव	237॥श्लो.2॥
दण्डो यथा	579	देवतायतने	470 ॥श्लो.2॥
दद्यादहरहः	314॥श्लो॥	देवमप्सुपदं	233॥श्लो.6॥
दद्याद्दानम्	560	देवान्स्तुत्या	317॥श्लो॥
" दधि क्राव्ण "	261॥श्लो.3॥	देश आर्यो	10
दधि भक्ष्यं च	334॥श्लो॥	देशान्तरगतं	737 ॥श्लो॥
दन्तवदन्त	223	देशान्तरिते	736॥श्लो॥
दर्भाः कृष्णा	279॥श्लो॥	द्रव्यहस्त	390
दर्भान्धारयमाणः	261॥श्लो.5॥	द्राक्षा मधुयुता	508॥श्लो॥
दर्भैर्दक्षिणाग्रै	497	द्वयं दद्यो	943॥श्लो.3॥
दशम्यामुत्थाप्य	34	द्वादश द्वादश	100
दशमान्तर्गते	701॥श्लो॥	द्विपक्वान्ननिषेधः	344 ॥श्लो॥
दशसाहस्त्र	264॥श्लो.3॥	द्वौ भागौ पितुः	664

द्वौविप्रौ 916 श्लो

धर्मस्थानं 575

धर्मेष 408

धारयित्वा 833 श्लो, 1

धूर्तं वैनाशिकीं ~~186~~ 168

धूपगन्ध 494

धूपार्थी 489 श्लो

न कुर्याद्धिके 551 श्लो

न कूपश्वभ्राण्य 112

न गृध्नुपरिवार: 571

न गोमय 189

न च्यवन्ते 86 श्लोक

न छत्र: 190 श्लो. 3

न तदश्रीयाद् 524

न तिष्ठन्न 212

नदी समुद्रतीरे 440 श्लो. 2

नद्योर्वा 440 श्लो. 3

न नगर 90

न परक्षेत्रागारे 109

न पानीयं 569

न फालकृष्टे 190 श्लो. 2

न भर्तारं 162

न भोजनार्थी 340

न मलीनां 24

न मातापितरा 635

न मातापित्रो 73

न यज्ञैर्दक्षिणा 320 श्लो

नरवायस 914

न राजमहा 91

न रात्रौ विचरेद् 120

नवमी दशमी 552 श्लो. 2

न वास्तु विभागो 670

न विक्रीयाणीयाद् 755

न विशीर्य 352

न वृक्षदेवा 190 श्लो. 1

न वेदमनधीत्यानां 78

न वैष्टिकं 570

न वै सीपां 165

न व्रतेनोप 164 श्लो

न व्रतैर्नोप 561 श्लो

न शिष्टामसद् 111

न शूद्रापुत्रौ 669

न श्राद्धं 338

न स्त्रियं 116

न स्नानेन 72 श्लो

न स्पृशेद्राम 500 श्लो. 6

न स्रवन्ती 439

न हार्यं स्त्रीधनं 689 श्लो

न हीनांगी 24 श्लो

नाग्निशुश्रूषा 767 श्लो

नाग्निं ब्राह्मणं 113

नातिवर्तेत 50 श्लो. 2

नार्तवे दिवा 25

नाद्याच्छ्राद्धे 511

नाधीयीताभि	92 (श्लो)	निमन्त्रितस्तु	548(श्लो)
नानुक्ता	156	नियतं क्षेत्रियाणाम्	654
नानुदेको	186	निर्घात भूमि	88
नान्तरिता	145(श्लो)	निर्यासानां	395(श्लो,1)
नान्दीमुखे	450	निवासराजनि	711(श्लो,2)
नान्यं देवं	277(श्लो,2)	नीयते तु	129(श्लो)
नापणीयं	339	नीलीकाष्ट क्षतो	912 (श्लो)
नापसव्यं	142	नीलं वस्त्रं	913(श्लो)
नापोऽग्निं	115	नी विमध्ये स्थिता	70 (श्लो)
ना ब्राह्मणो	318	नृणां पापकृतां	241(श्लो)
नाभिप्रमाणो	596	नैकोऽश्वाने	118
नाभिस्पर्शेन	206 (श्लो,6)	नेन्द्र धनुश्चन्द्र	108
नाभिं च	205(श्लो3)	नेष्टका चिते	292
नाम चैव	477(श्लो,1)	नोदकुम्भ	66
नामतस्तु	306(श्लो)	नोदकेषु न	305(श्लो)
नारीणां चैव	369(श्लो)	नोद्धत कुहके	106
नाल्पसंभारो	153	नोद्यन्तमादित्य	110
नावप्लुत	89	नोन्मत्तमूकान	53
नाशुचिरग्निं	114	पक्षिजग्धं	905(श्लो)
नाशुचिर्न	270	पंक्तिविदात्मने	330 (श्लो)
नासत्यदस्त्रो	206(श्लो,3)	पञ्चमी वोभयतः	138
ना संवृत्ते	185	पञ्चयज्ञ	309(श्लो)
नास्तिकः कृतघ्नः	859	पञ्चयज्ञान	953(श्लो,3)
नाहेः पदमपि	107	पञ्चार्द्रो	322(श्लो)
नित्यं त्रिषवण	797(श्लो,1)	पञ्चसूना	308(श्लो)
नित्यं नैमित्तिकं	227(श्लो,2)	पतित शिष्टान्न	984
नित्यं योगपरो	460(श्लो)	पतित संस्पृष्टो	895
नित्यं सदासं	802(श्लो,1)	पतिताभिशस्त	963

पत्नी वा	533
पद्मबिल्व	933
पद्मासैर्देश	271 (श्लो.2)
पन्था देयो	103
पयोयवाग्वा	46
परतः परतः	357 (श्लो)
परपाक	953 (श्लो.1)
पराशौचे	325 (श्लो)
परिवित्तिः	844
परिवित्तिः	846 (श्लो)
परिवित्तेस्तु	953 (श्लो6)
परिषंगाभि 689	
पर्णपिप्पल	58
पर्णानां	377
पर्वकालो	447 (श्लो)
पर्वमैथुनी	789
पर्षदानुमत्	355 (श्लो)
पवित्रपाणयः	500 (श्लो.5)
पवित्राणि	956 (श्लो.2)
पशून्हत्वा	830 (श्लो)
पशुवेश्याभि	865
पाकयज्ञा	18 (श्लो.1)
पादप्रतापनं	869 (श्लो)
पादं तु शूद्र	851 (श्लो)
पापरोगी	104
पापात्मनस्तु	949 (श्लो.1)
पापान्यस्यां	953 (श्लो.3)
पापं चेत्पुरुषः	949 (श्लो.2)
पिण्डस्त्वावर्तते	744
पिण्डालकं च	514 (श्लो)
पिण्याकं च	941 (श्लो)
पिण्याकैः	437 (श्लो)
पितर्यशक्ते	661
पितापितामह	651 (श्लो.1)
पितापुत्रयो	591
पितावशिष्टं	500 (श्लो.3)
पितुः पुत्रेण	410 (श्लो)
पितृणामनृणो	652 (श्लो.1)
पितृवेश्मनि	716 (श्लो)
पितापित्रय	443 (श्लो)
पित्रा विवदमानो	588
पित्रेण पितृन्	290
पिप्पली	512 (श्लो)
पिप्पली मरिचं	515 (श्लो.4)
पिप्पली मरिचं चैव	518 (श्लो)
पीतावशेषितं	901 (श्लो)
पुत्रदौहित्रयो	674 (श्लो)
पुत्रपौत्र	650 (श्लो.2)
पुत्राणाम	538 (श्लो)
पुत्रादीन्	634
पुत्रानुत्पाद्य	757
पुत्राभावे तु	673 (श्लोक)
पुत्रिका पुत्रवदिति	674
पुत्रेण लोकाञ्जयति	652 (श्लो.2)

पुत्रे दाराव्	760	प्रपद्यं वरुणं	233॥श्लो.3॥
पुन्नामा निरय:	649॥श्लो॥	प्रपायां शूद्रभाण्डे	899॥श्लो॥
पुरूरवाश्र्चैवौ	451॥श्लो.2॥	प्रयतोऽअपराह्णे	475
पुरुषव्रतं	268॥श्लो.4॥	प्रयत: काल	65॥श्लो॥
पुरोहितस्य	953॥श्लो.7॥	प्रवाहाभिमुखो	243॥श्लो.2॥
पुष्यस्नानादिकं	227॥श्लो.5॥	प्रसूते जातकर्म	29
पूयं शोणित	923॥श्लो.1॥	प्रहारोद्यमे	618
पूर्व: पूर्व	919	प्राअनामकरणात्	702
पूर्व धर्म एव	176	प्राग्मात्रा पर	771॥श्लो॥
पूर्वनष्टां	665॥श्लो॥	प्राजापत्य	944
पूर्वाश्रैस्तर्पये	301॥श्लो॥	प्राजापत्येन	208॥श्लो.3॥
पूर्वाण्हे	422॥श्लो॥	प्राड्विवाको	600
पूर्वां सन्ध्यां	260॥श्लो॥	प्राणायामत्रयं	269॥श्लो.5॥
पूर्वेद्युर्वार्षिकं	540	प्रात: सायमया	938
प्रजाकाम:	26	प्रात: संक्षेपत:	226॥श्लो॥
प्रजापतिर्हि	99॥श्लो॥	प्रात: संध्यां	261॥श्लो1॥
प्रजामिष्टां	546॥श्लो॥	प्रात: स्नानं	225
प्रणवव्याहृतिभिश्च	265॥श्लो.3॥	प्रात: स्नानं	231॥श्लो.1॥
प्रतिग्रहा	245॥श्लो.1॥	प्रातिलोम्ये	644
प्रतिमारात्म	636	प्रायश्चित्तं प्रायश्चित्तं	806॥श्लो.2॥
प्रतिषिद्ध	621	प्रायश्चित्तमुपा	796॥श्लो॥
प्रत्याश्रमं	152॥श्लो.2॥	प्रारभ्यानामिकायास्तु	273॥श्लो1॥
प्रत्योंकार	252॥श्लो.3॥	प्रारभ्यानामिकायास्तु	275॥श्लो.2॥
प्रथमेअहन्य	555॥श्लो.2॥	प्रार्थयन्ते	316॥श्लो॥
प्रदद्यान्मूर्धनि	233॥श्लो.12॥	प्रावृष्याकाशशायी	764॥श्लो.2॥
प्रदर्शयन्	261॥श्लो.9॥	पृथी व्यापस्तथा	782॥श्लो.1॥
प्रदाय शुल्कं	140॥श्लो.2॥	पृष्ठतो	918॥श्लो॥
प्रदेशा वाम	194	प्रेअंखतान्डव	167

प्रेतस्य प्रेत 921(श्लो)
प्रेतस्य बान्धवा 694
प्रेतायाः 683
पैतृकद्रव्य 668
पैत्रं विनाश 576
प्रोक्षणवत् 395(श्लो.2)
प्रौढपादो 500(श्लो.2)
प्रोष्ठपद्या 421(श्लो)
फुलाश्रुतेर् 802(श्लो.2)
फुलं लब्धं 420(श्लो)
बकबलाकाहंस 883
बद्धस्य चैव 891(श्लो.2)
बन्ध्याष्टमे 169(श्लो)
बलिं बलिभुजो 535(श्लो)
बालवृद्धमततो 101
बालस्त्रीपरि 365
बालस्त्वन्तर्दशाहे 698
बाले चातीते 708
बिडालोच्छिष्ट 517(श्लो.1)
बिल्वपलाश 59
बिल्वैरामलकैर् 940(श्लो)
बिसान्युदक 939(श्लो)
ब्रह्मक्षत्रविशां 381(श्लो.1)
ब्रह्मघ्नो वा 157(श्लो.4)
ब्रह्मणे नम 312
ब्रह्मतीर्थेन 199
ब्रह्मदेयानु 457(श्लो)
ब्रह्महा कुष्ठी 747
ब्रह्महा त्रिरात्रो 790
ब्राह्मण क्षत्रिय 407
ब्राह्मणयोः 915(श्लो.3)
ब्राह्मपयोः 915(श्लो.3) xxx
ब्राह्मणस्तु 648
ब्राह्मणा ये 462(श्लो)
ब्राह्मणी क्षत्रिया 122(श्लो)
ब्राह्मणेन 173
ब्राह्मणे स्यो 515(श्लो 3)
ब्राह्मणोच्छिष्टाशने 893
ब्राह्मणो ब्राह्मणं 814
ब्राह्मणे मुहूर्ते 183
ब्राह्मं पदमवाप्नोति 18(श्लो 3)
भक्ष्या भक्ष्याप्य 911(श्लो)
भक्ष्याः पञ्च 343(श्लो)
भक्ष्याः पञ्च 881(श्लो 2)
भक्ष्यं भोज्यं 326(श्लो)
भरणं चास्य 671(श्लो.2)
भार्याः कार्याः 121
भार्यापिण्डं 411(श्लो)
र्यामरणपक्षे 678(श्लो)
भाणो 778
तरुदिता 337
भीतावगीत 523
भुक्ता चोययतो 881(श्लो.8)
भुक्ता पलाण्डुं 881(श्लो 1)
भुक्ता वार्धुषिकस्यान्नं 887(श्लो)

भुक्तोपस्थाय	350 ॥श्लो॥	मलापकर्षणं	227॥श्लो.7॥
भुञ्जानस्य	502॥श्लो.1॥	मांसमधु	836
भूमिष्ठमुदकं	384॥श्लो॥	मांसमन्यदतो	878॥श्लो॥
भृग्वङ्ग्यानाश	726॥श्लो॥	मातर्यपि	442॥श्लो॥
भृतकाध्यापको	71	मातर्यादौ	734॥श्लो॥
भृस्तृणं	513॥श्लो॥	मातापित्रोरुपासीने	742॥श्लो॥
भोगाय क्रियते	235॥श्लो॥	मातामहे	711॥श्लो 1॥
भोजयित्वा	534॥श्लो॥	मातामहोद	476॥श्लो 1॥
भोजयेदथवा	469॥श्लो॥	मातुः सपिण्डी	537 ॥श्लो॥
भ्रातृभार्याणां	681	मातुलानी	829॥श्लो.2॥
भ्रातृणामप्रजाः	671 ॥श्लो.1॥	मातुले पक्षिणी	711॥श्लो.3॥
भ्रातृणां जीवतोः	658॥श्लो॥	मातस्ताः पशवो	855॥श्लो॥
मद्यभाण्डस्थितं	896	मार्गक्षेत्रे	608
मद्यैर्मूत्र	378॥श्लो.1॥	मार्गक्षेत्रे पथि	612
मधुमांसेन	651॥श्लो.2॥	मार्गान्तरा	243॥श्लो.1॥
मध्यमांगुलि	275॥श्लो.3॥	माहिषं	347॥श्लो 1॥
मध्यमानामिकाभ्यां	207॥श्लो.2॥	माहिषं गव्यमाजं	875॥श्लो 1॥
मध्यांगुले	275॥श्लो 5॥	माहिषं चाजमौरभ्रं	881॥श्लो 9॥
मध्वासवदुष्ट	900	मुखवर्ज्यं	356॥श्लो.2॥
मनः संयमनात्	772	मुखेन धमितं	920॥श्लो/2॥/
मनो बुद्धीन्द्रियाणि	782॥श्लो3॥	मुखेन वा	500 ॥श्लो.4॥
मन्त्रवर्जं	54	मुण्डस्त्रिषवण	956॥श्लो.1॥
मन्त्रसंस्कार	655	मुहूर्तं	424॥श्लो 1॥
मन्त्रिभिः	585	मूत्रपुरीषष्ठी	219
मन्द गृहानां	265॥श्लो.2॥	मूत्रं पुरीषं	188॥श्लो॥
मरणादेव	719 ॥श्लो॥	मूर्धावसिक्तादीनां	174
मलसंयोग	368॥श्लो॥	मूर्ध्निः संस्पर्श	206॥श्लो.6॥

मृते दन्तमये 353(श्लो)
मृते पितरि 691
मृते भर्तरि: 157(श्लो 5)
मृते सुते 714(श्लो)
मृत्तिका तु 197 (श्लो)
मृत्युं समथि 721(श्लो.2)
मृद्भिः संहतानाम् 359
मृद्भस्म 391
मेहने मृत्तिका 191 (श्लो)
मैथुनं 547
मोहाद्भुञ्जीत 909(श्लो.2)
मौला: प्रतिष्ठिता: 587
म्लेच्छदेशे 427(श्लो)
यज्ञार्थं 676(श्लो)
यज्ञिया: समिध 141
यजुषां 458(श्लो)
यत्किञ्चित् 531(श्लो)
यत्तु तीर्थादिषु 228(श्लो)
यत्र क्वचन 434
यत्र क्वचन 652(श्लो 3)
यथाकालम् 615
यथा पृथिव्यां 773(श्लो)
यथाविनिक्तं 528
यथाविभव 495(श्लो)
यथाश्वमेध: 237(श्लो.1)
यदा तु 592
यदा विष्टिर 417(श्लो)
यद्याहारो भवेत्तेन 761(श्लो.7)
यदि स्यात् 261 श्लो-7
यद्ददाति 428(श्लो)
यद्येकजाता: 415(श्लो)
यद्येकं 470(श्लो.1)
यद्दा तद्वापि 788(श्लो)
यवसश्चोपहर्तव्यो 856(श्लो)
यवागु: पायसं 335(श्लो.2)
यस्तु भुञ्जति 908(श्लो)
यस्मिन्नभावो 158
यस्य चाग्नौ 951 (श्लो.1)
यस्य यस्य 826(श्लो.1)
यस्य हस्तौ 230 (श्लो.2)
यागस्थं क्षत्रियं 854(श्लो)
याययेधाचितं 67(श्लो.1)
या तस्य 6 571 (श्लो.3)
यातुधाना: 331 (श्लो)
यावच्चाग्नौ 15 257(श्लो 8)
या स्त्री योऽनयंगुलि 646
ये त्वन्तर्गर्भिता 281(श्लो)
येन येनाङ्गेनापराधं 580
रक्षेद्राजा 690
रजते च 492(श्लो.2)
रजस्वला 382
रजस्वला 862
रथ्याकर्दम 232(श्लो)
रथ्याकर्दम 401(श्लो)
रथ्यामाक्रम्य 214

रविमध्ये 783॥श्लो.4॥
रागद्रव्याणि 380
रागद्वेषाग्नि 7॥श्लो॥
राज्ञः प्रत्यहं 566
राज्ञः शंखपट 565
राज्ञां पुरोहितोऽ 741॥श्लो॥
राजक्रतुरेवा 568
राजत्सु च 93
राजा दीर्घदर्शी 557
राजा धर्मायतनं 740
राजन्यवैश्या 562
राजपुत्रापहारे 625
राजमाषान् 519॥श्लो॥
राजमूलमिदं 556॥श्लो.2॥
राजा वा 808
राजा स्वस्वाधीन 5574
राजीवाः 510॥श्लो॥
राजीवान्सिंह 881॥श्लो.5॥
रात्रीयामा 96॥श्लो॥
रात्रौ चरन्ती 604
रात्रौ श्राद्धं न 549॥श्लो॥
रासभोऽधिको 675
राहुदर्शने 80
रुक्मस्तेयी 797॥श्लो.3॥
रुद्रान्पपधे 233॥श्लो.6॥
रुद्राश्चाग्निश्च 233॥श्लो.7॥
रेतोमूत्र 867
रोगिणां परिचर्या 148॥श्लो.4॥
रोगेण यद्रुजः 21॥श्लो॥
रोमाणि प्रथमे 192॥श्लो॥
रोहिणिश्च 425॥श्लो 2॥
रौद्रश्चैत्रस्तथा 425॥श्लो.1॥
रौरवागरु 486॥श्लो.1॥
लवणानां 826॥श्लो.7॥
लशुनपलाण्डु 873
लशुनपलाण्डुभुञ्जन 882
लाक्षायाश्चैव 833॥श्लो.2॥
लोकानन्त्यं 416॥श्लो.1॥
लोमेभ्यः 790॥श्लो॥
लोहानां 370॥श्लो.1॥
लोहानां वेदलानां 826॥श्लो8॥
लोहितान्वृक्ष 888॥श्लो॥
लोहितो यस्तु 159॥श्लो॥
वनवासादूर्ध्वं 781
वरयित्वा 140॥श्लो.1॥
वराहांश्च 347 ॥श्लो.2॥
वर्जयेद्भुञ्जनं 515॥श्लो.1॥
वर्णानामानु 722॥श्लो॥
वर्णाश्रमाणां 556॥श्लो.1॥
वसन्तो ग्रीष्मः 55
वस्त्राश्वादीन्न 832
वाग्दुष्टं भावदुष्टं 885॥श्लो॥
वाग्यतो 184
वापीकूप 287॥श्लो। ॥
वाप्य केशनखान् 799॥श्लो॥

वामहस्तस्थिते	906 (श्लो)
वराहं च	881 (श्लो.10)
वारुणं	244
वालाग्रशतिनो	782 (श्लो7)
वाहनयोश्चानां	567
विक्रमस्थान	890 (श्लो2)
विज्ञातव्या	50 (श्लो3)
विचार्य च	351 (श्लो)
विद्विप्र	810 (श्लो)
विद्विषाणस्य	336 (श्लो)
विनाय प्रोषिते	928 (श्लो)
विना यज्ञोपवीतेन	211 (श्लो)
विनारूप्य	288 (श्लो.1)
विन्देत विधिवद्	137 (श्लो)
विप्रः शुध्यति	ऊ0 203 (श्लो)
विभज्यमाने	667
विरचिचना	473 (श्लो)
विशाखासु	285 (श्लो)
विश्वासिन	573
वीरासनं	932 (श्लो)
वृत्तन्तु न	321 (श्लो)
वृथाकृसर	904 (श्लो)
वृथाकृसर	951 (श्लो2)
वृथा कृसर	952 (श्लो1)
वेदा वै	8 (श्लो.1)
वेदाअहमेतं	783 (श्लो8)
वेश्यापहारी	788
वैशाखे शुक्लपक्षे	954 (श्लो1)
वैश्यामवकीर्ण	840
वैश्येव भार्या	122 (श्लो)
व्यंजनादि	486 (श्लो 2)
व्यापादयेद्वध	727 (श्लो 1)
व्यालग्राही	157 (श्लो.3)
व्याहृतीः कीर्तये	249
व्रात्यश्चान्द्रायणं	51
शक्तिश्च	367
शंखचक्रगदा	256 (श्लो3)
शंखचक्राधंकनं	277 (श्लो1)
शंखपात्रस्थितं	278
शंख प्रादुरमावास्यां	438 (श्लो)
शत जप्ता तु	269 (श्लो2)
शतरुद्रियम्	268 (श्लो5)
शतं जप्त्वा	960 (श्लो,1)
शतं स्याच्छंख	271 (श्लो1)
शन्न आपश्च	236 (श्लो2)
शब्दं रूपं	782 (श्लो 4)
शयनासनयानानां	387
शय्यास्थे	925
शरीरशुद्धिर	229 (श्लो3)
शरीरं धर्म	805 (श्लो)
शस्त्रपाणयो	697
शस्त्रबन्धन	834
शान्ति कामस्तु	258
शारीरस्त्ववरोधादि	624

शिल्पिन: कारव:	581
शिष्टानां	815(श्लो)
शीतोष्ण	~~7786~~ 776
शुक्तवाक्या	215
शुक्लपक्षे	552(श्लो.1)
शुक्लपक्षे	423(श्लो)
शुद्ध भर्तुश्चतुर्थे	19(श्लो)
शुद्धं नदीगतं	356(श्लो.1)
शुनामुच्छिष्टकं	902(श्लो)
शुल्कमुल्या	590
शुष्ककाष्ठ	753
शुष्केणान्त	302(श्लो)
शूद्रवधे	849
शूद्रस्य सूतके	910(श्लो1)
शूद्राहतैस्तु	218(श्लो)
शूद्रोच्छिष्टाशने	892(श्लो)
शोकभुग	310
श्रपणं	400(श्लो)
श्रवणाश्वी	418(श्लो)
श्राद्धकर्मणि	515(श्लो2)
श्राद्धद्रव्यमुप	449(श्लो)
श्राद्धपंक्तौ	501(श्लो.1)
श्राद्धे नियुक्तान्	520(श्लो)
श्राद्धे विवाह	303(श्लो)
श्राद्धं कृत्वा	504(श्लो.1)
श्रुतिविरोधे	12
श्रुतिस्मृति	325(श्लो)
श्रुतिस्मृत्युदितान्	8(श्लो.2)
श्रेयस:	641
श्रेयस: श्रेयसो	677(श्लो)
श्रेयांश्चत्वारो	13
श्रोत्रियो गुणवान्	586
श्रौतं स्मार्तं	8(श्लो.3)
श्रोत्रं चक्षु	782(श्लो.2)
श्व: श्व: पचन	161
श्वश्रूमातुलका	880
षटंगविद्	456(श्लो)
षटन्या नखशुद्धौ	193
षट्सु दायादेषु	656
षष्ठेअन्नं	42
षष्ठेअष्टमे	27
षोटशाब्दानि	50(श्लो.1)
सकृत्रिवर्ता	526
सगोत्राय	127
स चेत् प्रत्यापन्न:	402
सदसच्च	597
सद्य: शौचेअपि	554(श्लो)
सन्तानवर्धनं	496(श्लो)
सन्निश्चयमेव्य	875(श्लो3)
सन्ध्यादि	267(श्लो)
सपिण्डता	709(श्लो)
सपिण्डी	539(श्लो)
सपिण्डीकरणाद्	543(श्लो)
सपिण्डीकरणे	131(श्लो)
सपिण्डीकरणं	130 (श्लो)

सपिण्डे क्षत्रिये	710 ॥श्लो.2॥	सर्वेषां वा	62
सपिण्डे ब्राह्मणे	710॥श्लो 1॥	सर्वेषां सकुल्यानां	32
सप्तरात्रेण	866	सर्वेषामप	857
सप्तरात्रं व्रतं	875॥श्लो4॥	सर्वेषामापो	379
सप्त व्याहृतयः	252॥श्लो2॥	सर्वेषामेव	605
सप्तागारं	777॥श्लो॥	सर्वेषां स्वदारनियमः	638
सप्ताद्यन्तयो	134	सव्याहृतिं	253॥श्लो॥
समानवर्णासु	124	सव्याहृतिं	269॥श्लो.1॥
समानाशौच	731॥श्लो॥	सव्याहृती:	269॥श्लो.6॥
समीक्ष्य निपुणं	1॥श्लो॥	सव्येन	527
स मूर्धाभिषिक्तो	558	सव्रती	259
समं सर्वे	685	सहस्त्रं	147॥श्लो॥
सम्पूज्य:	152॥श्लो3॥	साक्षिण:	599
स ज्येष्ठपुत्र:	663	सातत्यब्रह्म	251॥श्लो॥
सयवं	484॥श्लो॥	साधारणो	795
सर: सु	227॥श्लो.8॥	साध्वाचारा	20॥श्लो॥
सर: सुदेव	229॥श्लो4॥	साध्वीनां	163
सर्वतीर्था	236॥श्लो.1॥	सामन्तविरोधे	584
सर्वतीर्थानि	240॥श्लो॥	सायमग्निश्च	266॥श्लो॥
सर्वतो जीवित	804॥श्लो॥	सायाह्नस्य	424॥श्लो2॥
सर्वत्र त्रयाणां	578	सायं प्रातश्च	154
सर्ववेद	268॥श्लो.1॥	सार्धामूचच्च	254॥श्लो2॥
सर्वासां	166	सावकाशं	553॥श्लो॥
सर्वासां	874	सावित्री जप्य	269॥श्लो 12॥
सर्वासामेव	210॥श्लो॥	सिद्ध क्षेत्रेषु	264॥श्लो.2॥
सर्वे प्रस्त्रवणा:	230॥श्लो.1॥	सिद्धमन्नं	404॥श्लोक 1॥
सर्वेषां	572	सिद्धार्थकानां	405॥श्लो॥

सीमातिक्रमणे	610	स्थले चरांश्च	881(श्लो.6)
सीमाभेत्तार	611	स्थान वीरासनी	800(श्लो)
सुरापोऽग्नि	819	स्नात: कृत	288
सुराभाण्डोदकपाने	897	स्नात: न्तर्पणं	294(श्लो)
सुरालशुन	342	स्नानमाचमनं	307(श्लो)
सुरां पिबन्ति	16(श्लो.3)	स्नाने भोजनकाले	217(श्लो)
सुवर्णवर्ण	404(श्लो3)	स्नानोप	692
सुवर्णस्तेन:	818(श्लो)	स्नानं तु	227(श्लो.1)
सुवर्णस्तेय	269(श्लो.4)	स्पृष्ट्वा द्वादश	275(श्लो6)
सुवर्णस्तेय	960(श्लो3)	स्मृति धर्मशास्त्राणि	5
सुवर्णस्तेयी	786	स्वदेहमरणं	783(श्लो.3)
सुहृदयगाभिर	202	स्वपक्षे परपक्षे	564(श्लो)
सूतकादि	373(श्लो)	स्वपन्तं	758
सूतानाम्	182	स्वयं देहविनाशे	727(श्लो.3)
सूतिकोच्छिष्ट	372(श्लो)	स्वयं व्रत	798
सूनामांसं	879(श्लो)	स्वयं व्रतमभ्यु	955
सूर्याचैव	265(श्लो.1)	स्वरवर्णपदै	263(श्लो)
सैन्धवं	506(श्लो)	स्वाध्यायं च	763(श्लो)
सौवर्णराजता	288(श्लो.2)	स्वैरिण्यां	842
संन्यस्या	779	स्वर्गलोक	409
संवत्सर	839	स्वं च शुल्कं	684
संवत्सरेऽन्न	41	हत्वा द्विजस्तथा	817(श्लो)
संसृष्टानां	679	हनुमूलादध:	40(श्लो)
संस्कारै:	18(श्लो2)	हविरित्येवं	319
स्कन्धवाहे	622	हस्तत्राणाद्वदा	269(श्लो.8)
स्त्रीणां वधे	848	हस्तदत्ताश्च	342 (श्लो.2)
स्त्री घाती	847	हस्तपादावुपस्थं	782(श्लो.5)
स्त्री धनं कन्या	686	हस्तिच्छायासु	419(श्लो)
स्थलीषु	435(श्लो)	हस्त्यश्वरथ	626

हिमेन सह	288 (श्लो.3)	हुतादेवी	961 (श्लो.1)
" हिरण्यवर्णा "	233 (श्लो.9)	हृतस्थस्य	783(श्लो.1)
हिरण्यस्तेनो	824	हृदिस्था	783(श्लो.2)
हिरण्यस्तेनः	825	होमकाले	917(श्लो.2)
हीनवर्णा	724 (श्लो)	हंसं मद्गु च	881 (श्लो.3)
हुंकारेणापि	500(श्लो.1)		